

आईआईएम-एम्स चढ़े, एनआईटी-रविवि लुढ़के, कृषि विवि और बिलासपुर विवि बाहर

हरिभूमि ब्यूज ►► रायपुर

नेशनल इंस्टिट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क अर्थात एनआईआरएफ द्वारा देशभर के शैक्षणिक संस्थानों की रैंकिंग जारी कर दी गई है। इस बार भी देश के शीर्ष-150 विश्वविद्यालयों में प्रदेश का कोई भी संस्थान अपनी जगह नहीं बना सका है।



आईआईएम और एम्स को रैंकिंग सुधरी है, लेकिन इनके अलावा अन्य सभी का प्रदर्शन अत्यंत खराब रहा है। हालात यह हैं कि इंदिरा गांधी कृषि विवि और बिलासपुर विवि को सूची से ही बाहर रखा गया है। इन्हें कोई रैंक हासिल नहीं ►► शेष पेज 14 पर

एनआईआरएफ की सांप-सीढ़ी में छग के इंस्टिट्यूट फंसे, सभी शैक्षणिक संस्थानों का बुरा हाल

रविवि से भी पीछे बिलासपुर विवि

एनआईआरएफ द्वारा शीर्ष-150 स्थान पर रखने वाले संस्थानों की सूची जारी की जाती है, जबकि इसके अधिक रैंक लाने वाले इंस्टिट्यूट को कैटेगरी मिलती है। रविवि को 151-200 कैटेगरी में रखा गया है। पिछले तीन सालों से रविवि इन कैटेगरी में अटक हुआ है। कोई सुधार प्रदेश के सबसे बड़े विवि में नहीं हुआ है। केन्द्रीय विवि बिलासपुर शीर्ष 200 में भी जगह नहीं बना सका है, इसलिए इसे रैंकिंग से ही बाहर कर दिया गया है। इंदिरा गांधी कृषि विवि का भी यही हाल है।



ट्रिपलआईटी पूरा नहीं कर पाया मापदंड

आईआईटी मिलाई को 81वां रैंक हासिल हुआ है। जबकि ट्रिपलआईटी रायपुर को रैंकिंग में ही शामिल नहीं किया गया था। संस्थान के अनुसार, एनआईआरएफ की रैंकिंग में शामिल होने के लिए कुछ मापदंड होते हैं। इसे पूरा ना कर पाने के कारण संस्थान को अब तक एक बार भी रैंकिंग नहीं हुई है। एनआईआरएफ इंजीनियरिंग, मेडिकल, प्रबंधन, कृषि, फार्मसी सहित अन्य कैटेगरी में रैंकिंग जारी करता है। किसी भी श्रेणी में प्रदेश शीर्ष-10 में नहीं है।

आईआईएम-एम्स चढ़े.....

हुर है। एनआईटी रायपुर भी 65वां पायदान से फिरुलकर 70वां स्थान पर आ गया है। प्रदेश में सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग आईआईएम रायपुर को मिली है। मैकेजमेंट इंस्टिट्यूट कैटेगरी में आईआईएम 11वां पायदान पर है। बीते वर्ष इसे 15वां रैंक मिला था। इस बार चार पायदान बढ़ा है। एम्स रायपुर को 39वां स्थान मिला है। बीते वर्ष इसे 49वां स्थान हासिल हुआ था। पहली बार यह शीर्ष-50 में शामिल हुआ था। एक वर्ष के भीतर इसने 10 पायदान की उन्नति लगाई है। बिलासपुर विवि के फॉर्मसी डिपार्टमेंट को 43वां रैंक मिला है। रविवि का फॉर्मसी डिपार्टमेंट शीर्ष-100 से बाहर है। औरतलब है कि विश्वविद्यालयों में संगठित फॉर्मसी डिपार्टमेंट की रैंकिंग पृथक रूप से जारी होती है।